BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996

‘अभियंता दिवस’ पर माननीय कुलपति जी का संदेश





अभियंता राष्ट्र के विकास, नवाचार और प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निरंतर विस्तार के इस युग में अभियंताओं की भूमिका केवल तकनीकी समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज की चुनौतियों का समाधान खोजने और एक बेहतर, सुरक्षित एवं सतत भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आज भारत विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प है जो **तकनीकी रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर, समावेशी, पर्यावरणसम्मत और विश्वस्तरीय-** हो। इस दिशा में कुशल अभियंताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक अवसंरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस**, हरित ऊर्जा, स्मार्ट परिवहन, जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं कृषि तकनीक जैसे क्षेत्रों में नवाचार के माध्यम से अभियंता देश की विकास यात्रा को नई दिशा दे रहे हैं।

बदलती तकनीकी दुनिया में हमें **नवाचार के साथ मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व** को भी अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यह दिवस महान अभियंता, दूरदर्शी राष्ट्रनिर्माता एवं **भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया** की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उनका जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, उत्कृष्टता, नवाचार और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। आज के इस अवसर पर मैं विशेष रूप से हमारे युवा एवं भावी अभियंताओं का आह्वान करता हूँ कि वे अपने ज्ञान, कौशल और सृजनात्मक सोच का उपयोग समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को समझने तथा उनके प्रभावी समाधान विकसित करने में करें।

मुझे विश्वास है कि हमारे देश के अभियंता **नवाचार, उत्कृष्टता और राष्ट्रसेवा** की भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे जिसका लाभ प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक नागरिक तक पहुँच सके। ।

अभियंता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी अभियंताओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े समस्त सदस्यों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

आचार्य राज कुमार मित्तल
कुलपति
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।